कक्षा - दूसरी
विषय - हिन्दी

PAGE NO.:
DATE: / /

बेसिक हिन्दी

वर्ण →

प्रश्न वर्ण क्या है?
उ० किसी भाषा की वह छोटी से छोटी सार्थक (अर्थपूर्ण) ध्वनि जिसके भाग न किए जा सकते हो उसे वर्ण कहते है।

ध्वनि (वर्ण)

जैसे :-
अ, आ, उ, क्, र्, ल्, म् आदि।

उच्चारण (बोलने) के आधार अक्षर के मुख्य तीन भेद होते है।

1. स्वर
2. व्यंजन
3. अयोगवाह

1. स्वर →
जिनके बोलने में अन्य वर्ण की सहायता नही ली जाती, उन्हे स्वर कहते है।

स्वर - (अ), आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ
मात्राएँ - ा, ि, ी, ु, ू, ृ, े, ै, ो

औ
ौ

अब आप सोचो आ में ा की मात्रा है पर अ में नही क्यों

जब 'अ' किसी व्यजंन में मिलता है तब उस व्यंजना में

PAGE NO.:
DATE: / /

लगा हलंत का चिह्न हट जाता है।

जैसे - क् + अ = क
र् + अ = र

व्यंजन →

व्यंजन 35 होते हैं। स्वर को छोड़कर बाकी सब व्यंजन होते हैं यह जो वर्ण बिना किसी स्वर की सहायता से नहीं बोले जा सकते हैं, उन्हें व्यंजन कहते हैं।

जैसे →

क, ख, ग, घ, ङ
च, छ, ज, झ, ञ
ट, ठ, ड, ढ, ण, ड़, ढ़
त, थ, द, ध, न
प, फ, ब, भ, म
य, र, ल, व
श, ष, स, ह

संयुक्त व्यंजन →

क्ष, त्र, ज्ञ, श्र

जैसे = क् + ष = क्ष, त् + र = त्र

ज् + ञ = ज्ञ, श् + र = श्र

अयोगवाह →

स्वरों तथा व्यंजनो के अतिरिक्त कुछ ऐसे चिह्न (संकेत) की ध्वनियाँ (आवाज) भी होती हैं जिनका उच्चारण (बोलना) स्वतंत्र रूप से नहीं होता है इनके उच्चारण नासिका (नाक) की सहायता से करते हैं।

Scanned with CamScanner

जैसे :- अं अः अँ

अं - पंख, अंक, मंयक (अनुस्वार)

अः - अतः, स्वतः, दुःख (विसर्ग)

अँ - चाँद, काँख, ऊँचा, (अनुनासिक)

गृह कार्य →

इन वर्णों की सहायता से हिन्दी पढ़ने का अभ्यास करें तथा शुद्ध उच्चारण करें जो आप बोल रहे हो उसे लिखने का भी प्रयास करें।

Scanned with CamScanner